श्री भागवत भगवान की है आरती

श्री भागवत भगवान की है आरती,

पापियों को पाप से है तारती |

ये अमर ग्रन्थ ये मुक्ति पन्थ,

ये पंचम वेद निराला,

नव ज्योति जलाने वाला |

हरि नाम यही हरि धाम यही,

यही जग मंगल की आरती

पापियों को पाप से है तारती ||

श्री भागवत भगवान की है आरती.....

ये शान्ति गीत पावन पुनीत,

पापों को मिटाने वाला,

हरि दरश दिखाने वाला |

यह सुख करनी, यह दुःख हरिनी,

श्री मधुसूदन की आरती,

पापियों को पाप से है तारती ||

श्री भागवत भगवान की है आरती.....

ये मधुर बोल, जग फन्द खोल,

सन्मार्ग दिखाने वाला,

बिगड़ी को बनानेवाला |

श्री राम यही, घनश्याम यही,

यही प्रभु की महिमा की आरती

पापियों को पाप से है तारती ||

श्री भागवत भगवान की है आरती.....

श्री भागवत भगवान की है आरती,

पापियों को पाप से है तारती |